Page

PAPER - II

B.A. PART - I (H)
2ND PAPER

[EXECUTIE] (1)

Ques:- "स्विस संघीय परिषद् न तो संसदात्मक है और न अध्यक्षात्मक।" इस कथन की विवेचना कीजिए।

["The swiss Federal Council is neither parliamentary nor presidential." Discuss this Statement.]

Ans:- वास्तव में संघीय परिषद् [Federal Council] की स्थिति विश्व में अनूठी तथा विशिष्ट है। यह न तो विशुद्ध रूप से ब्रिटिश मंत्रीमंडल से ही मिलती है और न अमेरिका की अध्यक्षात्मक कार्य-पालिका (Presidential Executive) के ही समान है फिर भी इसमें दोनों के गुण और लक्षण मौजूद हैं जो इस प्रकार है:-

[1.] विचित्र कार्यपालिका।
[2.] बहुल कार्यपालिका।
[3.] निर्दलीय कार्यपालिका।
[4.] विशेषज्ञों की कार्यपालिका।
[5.] स्थायी कार्यपालिका।
[6.] व्यवस्थापिका द्वारा निर्वाचन
[7.] सामूहिक उत्तरदायित्व का अभाव
[8.] संसदीय तथा अध्यक्षात्मक प्रणालियों का मध्यवर्ग।

(1) **विचित्र कार्यपालिका :-** स्वीस संघीय परिषद् के बारे में अपने विचार प्रकट करते हुए स्ट्रॉग [C.F. STRONG] ने लिखा है कि - विश्व कि वैधानिक पद्धतियों में स्वीस कार्यपालिका अनुपम है। स्विट्जरलैंड के सभी राजनीतिक संस्थाओं [Political Institutions]

②

में संघीय कार्यपालिका सर्वाधिक विलक्षण है, विश्व के अन्य देशों में या तो संसदीय कार्यपालिका (Parliamentary executive) पाई जाती है अथवा अध्यक्षीय कार्यपालिका (Presidential executive) । इस प्रकार स्विट्जरलैंड की कार्यपालिका का यह निरालापन ही है कि वह न तो अध्यक्षीय कार्यपालिका है और न तो संसदीय ।

(2). बहुल कार्यपालिका [Plural executive] :-

स्विट्जरलैंड की कार्यपालिका बहुल कार्यपालिका है इसकी तुलना में ब्रिटेन, अमेरिका इत्यादि में कार्यपालिका एकल है उन देशों में कार्यपालिका के संबंध में अन्तीम उत्तरदायित्व एक ही व्यक्ति अथवा सदस्य की स्थिति अन्य की तुलना में बहुत अधिक होती है पर संघीय परिषद् इन सब, से निराली है कारण यह है कि कार्यपालिका शक्ति एक व्यक्ति में निहित न होकर व्यक्तियों के एक समूह में में निहित रहती है इस समूह में सभी व्यक्ति एक-दूसरे के समान पद वाले हैं यहाँ तक की परिषद् का अध्यक्ष भी कोई विशेषाधिकार नहीं रखता परिषद् एक मंत्रालीय संस्था के समान है। उनके अध्यक्ष की स्थिति बराबर वालों से एक की है उसने अपने साथियों के चुनाव आदि के संबंध में कोई अधिकार नहीं है।

(3). बिर्दलीय कार्यपालिका :-

विश्व के अधिकांश देशों में

③

कार्यपालिका का संबंध भी किसी न किसी राजनीतिक दल से होता है। परन्तु स्वीस संघीय परिषद् सभी दलों के प्रतिनिधि होते हैं। उनकी सदस्यता उनकी योग्यता पर निर्भर करती है। संघीय परिषद के सदस्य दलीय भावना से कार्य नहीं करते। वे निष्पक्ष रूप से सम्पूर्ण राष्ट्र की सेवा करते हैं। इस संबंध में ब्राइस ने लिखा है कि परिषद् का रूप दलबंदी पर आधारित नहीं है वह दल की सीमा से अलग है। सदन में वह न तो दल का कार्य करता है और न तो सदन के विभिन्न दलों के कार्यों पर विचार करता है।

(4) विशेषज्ञों की कार्यपालिका :- [Advisory Executive]

संघीय परिषद् में विभागों के वितरण राजनीतिक दलबंदी के आधार पर न होकर प्रशासकीय कुशलता के आधार पर होता है। सदस्यगण अपने-अपने क्षेत्र में निपुण होते हैं। इस कारण उन्हें लोकसेवा के अधिकारीयों के हाथ की कठपुतली नहीं बनना पड़ता है।

(5) स्थायी कार्यपालिका :- [Permanent Executive]

संघीय परिषद् के सदस्यों का निर्वाचन 4 वर्ष के लिए होता है। संघीय सभा में उनकी नीति का विरोध होने पर त्यागपत्र की आवश्यकता नहीं है। इस संबंध में रैपर्ड ने कहा है कि - संसदीय देशों में मंत्री आते-जाते रहते हैं। वहाँ वास्तविक शासन तो अधिकारी करते हैं परन्तु स्विट्जरलैंड की कार्यपालिका सत्ता की वास्तविक अधिकारी है।

(6) व्यवस्थापिका द्वारा निर्वाचन :- [Election of executive]

अमेरिका में कार्यपालिका की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रत्यक्ष द्वारा नियुक्त किये जाते हैं ब्रिटेन में मंत्रीगण राजा द्वारा प्रधानमंत्री के परामर्श से नियुक्त किये जाते हैं पर स्विट्जरलैंड की स्थिति इसके विपरीत हैं वहाँ कार्यपालिका के सदस्यों का चुनाव व्यवस्थापिका द्वारा किया जाता है।

(7) सामूहिक उत्तरदायित्व का अभाव :- [Absence of grouping Responsible]

संघीय परिषद् के सदस्य सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धान्त पर कार्य नहीं करते हैं वे अलग-अलग अपने विभागों के प्रति उत्तरदायित्व हैं इंग्लैंड की मंत्रीपरिषद् सामूहिक रूप से संसद के प्रति उत्तरदायित्व होगी। परंतु स्विट्जरलैंड में सामूहिक उत्तरदायित्व के अभाव के दर्शन होते हैं।

(8) संसदीय तथा अध्यक्षात्मक प्रणालियों का मध्यमार्ग :- [Mediam Rout the Parliamentary and Presi-ential]

स्विस कार्यपालिका का यह अनूठा पन है कि वह न तो संसदात्मक है और न तो अध्यक्षात्मक है इसके विपरीत दोनों पद्धतियों की विशेषताओं का मिश्रण है मुनरो ने कहा है कि "स्विस कार्यपालिका में दोनों पद्धतियों के गुणों के अपनाने और अवगुणों से बचने का प्रयास किया गया है" मुनरो ने अन्य स्थान पर कहा है कि - स्विस संघीय परिषद् संसदीय तथा असंसदीय दोनों प्रकार की कार्यपालिकाएँ के गुणों से युक्त परन्तु

Scanned with CamScanner

दोनों से मुक्त भी है। यह बहुल कार्यपालिका होते हुए भी इसमें एकतापूर्ण कार्यपालिका के गुण पाये जाते हैं।

स्विस कार्यपालिका संसदीय इस लिए है कि:—

[1]. उसके सदस्यों का निर्वाचन व्यवस्थापिका द्वारा तथा प्रायः व्यवस्थापिका से ही होता है।

[2]. स्विस कार्यपालिका के सदस्यों को व्यवस्थापिका की बैठकों में उपस्थित रहने और विधेयकों को प्रस्तुत करने का अधिकार प्राप्त है।

[3]. स्विस संघीय कार्यपालिका के सदस्य व्यवस्थापिका से विधेयक पारित करवाते हैं।

स्विस संघीय परिषद् संसदीय तथा अध्यक्षीय प्रणालियों के बीच का मार्ग है, क्योंकि इसकी कुछ विशेषताएँ भी हैं:—

[a]. संसदीय उत्तरदायित्व पर संसदीय अस्थिरता से विमुख।

[b]. अध्यक्षीय स्थायी अध्यक्षीय अनुत्तरदायित्व से विमुख।

[C]. उत्तरदायित्व तथा स्थायित्व।

निष्कर्ष:— Conclusion.

इस प्रकार स्विट्जरलैंड की संघीय परिषद् की व्यवस्था निराली व्यवस्था है इसमें एक ओर इंगलैंड की संसदीय प्रणालि का उत्तरदायित्व पाया जाता

है। इस संदर्भ में डायसी ने लिखा है कि:—
ऐसी शासन प्रणाली जो अपने प्रकार की निराली है। जो अध्यक्षात्मक तथा मंत्रिमंडल प्रणाली से भिन्न है परन्तु जिसमें दोनों के कुछ न कुछ लक्षण पाये जाते हैं, वह स्विट्ज़रलैंड की है।

# The end

## SWITZERLAND

व्यवस्थापिका → संघीय सभा (ASSEMBLY)

द्वितीय उच्च सदन → राज्य परिषद् (Council of States)

प्रथम निम्न सदन → राष्ट्रीय परिषद् (National Assembly)

शासन व्यवस्था → द्वि-सदनात्मक (bicameralism)

सांविधानिक संशोधन → दो प्रकार के हैं:—

(i) सांविधानिक आरंभण (Constitutional initiative)
(ii) सांविधानिक जनमत-संग्रह (Constitutional referendum)

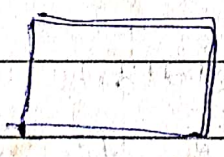

Scanned with CamScanner